स्पन्दन
विचारों का...

त्रैमासिक समाचार पत्रिका

महिला पी.जी. महाविद्यालय, जोधपुर | अंकः 03 | जुलाई 2019 | मूल्यः 50/- वार्षिक

"न्यूरान ट्रांजिस्टर से ज्यादा तीव्र होते है।" प्रो. ओ. पी. एन. कल्ला

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय, में महिला पी.जी. महाविद्यालय, पुष्करणा शोध प्रकाशन एवं इंटरनेशल सेंटर फॉर रेडियो साइंस के संयुक्त तत्वाधान में "आरटिफिशियल इन्टेलीजेन्स" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आमुखीकरण में मुख्य अतिथि श्री ओ.पी.एन. कल्ला, विशिष्ट अतिथि श्री के.बी. व्यास, प्रो. अखिल रंजन गर्ग थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान सचिव प्रो. के. एन. व्यास ने की। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही छात्राओं को भविष्य में इस प्रकार के कार्यशाला करवाने का आश्वासन दिया।

प्रो. ओ. पी.एन. कल्ला ने छात्राओं की आर्टीफिशयल इन्टेलीजेन्स का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगिता को समझाया। साथ ही न्यूरान व कम्प्यूटर के ट्रांजिस्टर की तुलना करते हुए बताया कि न्यूरान ट्रांजिस्टर से ज्यादा तीव्र होते है। संस्थान सचिव प्रो. के एन. व्यास ने आरटिफिशियल इन्टेलीजेन्स की विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगिता बताई।

प्रथम तकनीकि सत्र में एम.बी.एम. इन्जिनियरिंग कॉलेज के प्रो अखिलरंजन गर्ग ने छात्राओं को बताया कि हर न्यूरान में एक ही मेमोरी होती है। आर्टिफीशियल इन्टेलीजेन्स व मानव मस्तिस्क का तुलनात्मक अध्ययन कराया साथ ही छात्राओं को आर्टिफीशियल इन्टेलिजेन्स का विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग बताया। लाचू मेमोरियल कॉलेज आफ सांइस एण्ड टेक्नोलोजी के प्रो. मुकेश उपाध्याय ने छात्राओं को बताया कि नॉलेज व इन्टेलीजेन्स के बारे में आर्टिफीशियल इन्टेलीजेन्स किस प्रकार कम्प्यूटर में उत्पन्न की जाती है। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने कार्यशाला में पधारे हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रो. एन. आर. कल्ला, प्रो. अशोक बोहरा, प्रो. अचलेश्वर बोहरा उपस्थित थें। इस कार्यशाला में श्री सुमेर महाविद्यालय की छात्राओं ने भी भाग लिया है। कार्यक्रम का संचालन बी. सी.ए. विभाग की श्रीमती स्नेहला व्यास ने किया।

रिश्वत विरोधी, स्वच्छता और महिला शिक्षा शेरे राजस्थान के आदर्श- "श्री घनश्याम ओझा"

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय, प्रो. ए.डी. बोहरा महिला विधि महाविद्यालय, महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में "शेरे राजस्थान" श्री जयनारायण व्यास की 56वीं पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने अपना स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि प्राचीन के बिना नवीन का सृजन सम्भव नही हैं। हमें स्वतंत्रता सैनानियों के योगदान को भूलना नही चाहिए। उनके मूल्य ही हमारे सफल वर्तमान का निर्माण करेंगे। अपनी अस्मिता व पहचान को बनाए रखने के लिए हमें अपने पुरखों को याद रखना होगा।इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने श्री जयनारायण व्यास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा एक पत्रकार के रूप में उनके योगदान को उजागर किया। छात्राओं ने व्यास जी के संगीत प्रेम को भी प्रस्तुत किया। संगीत विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनूपराज पुरोहित और बी.एड. की छात्राओं ने जयनारायण व्यास द्वारा रचित गीतों को प्रस्तुत किया। "ओं काई रासो जी मैं हैरान अजब तमाशो जी" । साथ ही छात्राओं ने व्यास जी के सामाजिक तथा उतरदायी शासन सम्बन्धी विचारों को प्रस्तुत किया। देविका गहलोत ने व्यास जी के जीवन के अनमोल प्रसंगो, रक्षिता चैधरी ने सामाजिक सरोकार, सोनिया और पूजा गहलोत ने व्यासजी के राजनीतिक परिपेक्ष्य, मरजीना और निगार खानम ने व्यास जी के उतरदायी शासन सम्बन्धी, मंजू ने व्यासजी के जीवन परिचय, सुरभि हर्ष ने उनके संगीत के क्षेत्र में योगदान, विनोती वर्मा ने पत्रकारिता, डिम्पल भाटी और नेहल कल्ला ने "रिश्वत" कविता के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये।पारूल पुरोहित और अशोका चैधरी ने गीत के माध्यम से व्यासजी सम्बन्धी विचारों को व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जोधपुर महापौर श्री घनश्याम ओझा उपस्थित थें। इस कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम जोशी, संस्थान उपाध्यक्ष श्री सूरजप्रकाश व्यास, संस्थान सचिव प्रो. के.एन व्यास, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, कोषाध्यक्ष एस. एल. हर्ष, के.सी. बोहरा, जी.पी. व्यास, डॉ. वी.एस. व्यास, डॉ. वी.डी. दवें, तीनों महाविद्यालयों के प्राचार्य, संस्थान के सदस्य तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। श्री घनश्याम ओझा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज की युवा पीढ़ी को व्यास जी के आदर्शो पर चलना चाहिए तथा उनके सपने को साकार करने में अपना योगदान देना चाहिए।

महिला पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्या का न्यूयॉर्क में अन्तराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रस्तुतीकरण

जय नारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यलाय की प्राचार्या डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने 1 से 3 नवम्बर को न्यूयॉर्क में स्टेट यूनिर्वसिटी ऑफ न्यूयॉर्क बफलो, द्वारा आयोजित "विमेन स्टडीज" के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध-पत्र पढ़ा। शोध पत्र का विषय "थर्ड जेन्डरः क्वेश्चन ऑफ आईडेन्टिटी एण्ड सम लैसन्स फॉम यस्टरयर्स" था। इस पत्र को सभी उपस्थित प्रोफेसर द्वारा उत्कृष्ट पत्र के रूप में सराया गया। महाविद्यालय के सचिव डॉ. एस.पी. व्यास ने बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 30 शोध पत्र पढे गये। डॉ. मनोरमा उपाध्याय को अनेक बार "सर्वश्रेष्ठ पेपर" के अर्वाड से नवाजा जा चुका है। इस अवसर पर जय नारायण व्यास शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी, उपाध्यक्ष श्री सूरज प्रकाश व्यास, प्रो. के.एन. व्यास, प्रबंध समिति के सदस्य तथा प्राध्यापकों ने इस उपलब्धि के लिये बधाई दी।

प्रो. आर.पी. व्यास की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन

श्री जयनारायण व्यास षिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब व आशाए रे ऑफ होप के सयुक्त तत्वाधान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी "प्रो. आर.पी. व्यास" की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गुलाब सिंह चैहान, सूरसागर विद्यायक श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, अधिष्ठाता कला शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय एवं सिंडीकेट सदस्य कौशल नाथ उपाध्याय, निदेशक सांध्यकालीन अध्ययन संस्थान एवं सिंडीकेट सदस्य प्रो. सुखवीर सिंह, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय जोधपुर एवं सिंडीकेट सदस्य प्रो. रिछपाल सिंह, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग प्रो. अरविन्द परिहार की सम्मानित उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी. एम. जोशी, संस्थान सचिव प्रो. के.एन. व्यास, संस्थान वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूरज प्रकाष व्यास, कोषाध्यक्ष कृष्ण व्यास, श्री के.सी. बोहरा, श्री जी.पी. व्यास, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, प्रो. वी.डी. दवे, विज्ञान संकाय निदेशक प्रो. अचलेश्वर बोहरा, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय भी उपस्थिति रहे।

कुलपति प्रो. गुलाब सिंह चैहान ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए रक्तदान को जीवनदान बताया तथा रक्तदान करते रहने के लिये प्रेरित किया। सूरसागर विद्यायक श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षित युवा को रक्तदान के पुनित कार्य में अपना सहयोग प्रदान करना चाहियें। प्रो. रिछपाल सिंह ने रक्तदान करने से होने वाले लाभो के बारे में बताया। तथा बताया कि रक्त देने से कई बिमारिया स्वतः ही खत्म हो जाती है। प्रो. कोशल नाथ उपाध्याय तथा संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम. ने रक्तदान करने से यदि किसी का जीवन बच जाये इससे बडा कोई पुण्य नहीं हो सकता पर अपना सम्बोधन दिया। प्रो. के. एन. व्यास ने भी छात्राओं को सम्बोधित करते हुए रक्तदान के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने किया तथा महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न रक्तदान शिविरों की जानकारी व उपलब्धियो के बारे में अवगत कराया। इस शिविर के दोरान 50 से अधिक स्वयसेविकाओं तथा छात्राओं रक्तदान किया। तथा यह शिविर उम्मेद चिकित्सालय की डॉ. नेहा के साथ आयी मेडिकल टीम के सहयोग से सम्पन्न हुआ। शिविर का समापन चिकित्सा अधिकारी नवचैकिया डिसपेन्सरी, जोधपुर डॉ. ए.एन. व्यास की उपस्थित में आयोजित हुआ। रक्तदान शिविर में आशाये रे आफ हॉप की टीम, उम्मेद अस्पताल की मेडिकल टीम को सम्मानित किया गया तथा भाग लेने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र दिये गये। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने छात्राओ को रक्तदान शिविर में भाग लेने पर प्रोत्साहित किया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिये प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के प्रभारी डॉ. सुनिता बोहरा, डॉ. सीमा हटीला, श्रीमती स्नेहलता व्यास, डॉ. भरत भट्ट, डॉ. आंकाशा सिंघल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

70 वॉ गणतंत्र दिवस

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित तीनों महाविद्यालयों- महिला पी.जी. महाविद्यालय, महिला टीचर्स कॉलेज व प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल वूमन लॉ कॉलेज में 70 वॉ गणतन्त्र दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह का शुभारम्भ झंडारोहण और राष्ट्रगान से हुआ। महाविद्यालय ने महिला सशक्तीकरण का समर्थन करते हुए चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारियों को साफा पहनाकर सम्मानित किया। संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी. एम. जोशी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि-यह दिन हमारे लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है इस अवसर पर भारतीय स्वतन्त्रता सेनानियों का याद किया गया साथ ही भारतीय संवैधानिक विकास पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि गणतन्त्र के विकास के लिए हर भारतीय को संकल्प लेना चाहिए कि हम संविधान का पालन करें। इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्राओं को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। संगीत विभाग की छात्राओं ने जयनारायण व्यास द्वारा रचित गीत पर प्रस्तुति दी तथा एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. की छात्राओं द्वारा श्रीमती संदेश कुमारी, डॉ. संजय बोहरा, डॉ. भरत भट्ट, डॉ. आंकाक्षा सिंघल, श्रीमती स्नेहलता व्यास, सुश्री जयाराज के निर्देशन में पी.टी., परेड, योगा, एरोबिक्स तथा अन्य शारीरिक कौशल की प्रस्तुति दी। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा इस अवसर पर देशभक्ति के गीतों एवं नृत्यों की सुन्दर प्रस्तुति दी साथ ही संगीत विभाग के प्राध्यापक डॉ. अनूपराज पुरोहित के निर्देशन में बैंड द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गयी। अन्य प्रतिभाशाली छात्राओं को नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। गणतन्त्र दिवस के अवसर पर श्री मांगीलाल व्यास (अध्यक्ष महिला टी.टी. कॉलेज), डॉ. उमा लोहरा (प्राचार्य, महिला टी.टी. कॉलेज) व डॉ. मनोज व्यास (प्राचार्य, प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल वूमन लॉ कॉलेज) भी उपस्थित थे।

जलियांवाला बाग हत्याकांड के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी.महाविद्यालय में 12 अप्रैल को जलियांवाला बाग हत्याकांड के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंम्भ महाविद्यालय कुलगीत के साथ किया गया। डॉ. अनिल पुरोहित ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत किया। जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड कार्यक्रम की मुख्य वक्ता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय थी। डॉ. उपाध्याय ने जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड के इतिहास के विभिन्न तथ्यों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. अनुपराज ने "मत दुध लजाई जे" एवं महाविद्यालय छात्रा सुश्री सुरभि हर्ष ने "आओ बच्चो तुम्हे दिखाये झांकी हिन्दुस्तान की" जैसे गीतो से जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड के शहीदों को स्वराजंलि दी। कार्यक्रम की अगली कडी में महाविद्यालय की छात्राओं ऊषा वैष्णव ने जलियांवाला बाग हत्याकांड वर्तमान परिपेक्ष्य पर प्रकाश डाला। सुम्याया कौसर और मरजीना खान ने उर्दु की नज्मों द्वारा शहीदों को स्मरण किया। विनोता वर्मा, हिमांशी दांधिच, भाग्यश्री राज पुरोहित, कविता छंगाणी, श्रद्धा शर्मा ने "मैं जलियांवाला बाग हुँ" "यह जलियांवाला बाग है" "सुन्दर जलियांवाला बाग" "खुनी बैशाखी" इत्यादि कविताओं द्वारा शहीद हुए जवानों को श्रद्धाजंली दी। कार्यक्रम में महिला टीचर ट्रेनिंग कॉलेज की छात्राओं मंजु, ललिता, सुमित्रा, अशोका वर्मा, हिमानी दाधिच ने खूनी वैशाखी लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। डॉ. अनिल पुरोहित ने ऐतिहासिक इतिहास के स्त्रोतों में वर्णित जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारिया बताई।

महिला टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के अध्यक्ष श्री मांगीलाल व्यास ने बताया कि जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड के महत्व को बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को करवाने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम की इसी कडी में संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड से जुडे तथ्यों पर प्रकाश डाला एवं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु महाविद्यालय छात्राओं को बधाई दिया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी, सचिव प्रो. के.एन. व्यास, कोषाध्यक्ष श्री कृष्ण व्यास, प्रो. एन.डी. पुरोहित, श्री जी.पी.व्यास, श्री के.सी. बोहरा, महिला पी.जी. महाविद्यालय और महिला टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के प्राध्यापक उपस्थित थें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल पुरोहित ने किया।

पुष्करणा समाज के गौरव श्री बालमुकुंद बिस्सा को किया गया याद

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में आज दिनांक 19.06.2019 को पुष्करणा समाज के गौरव श्री बालमुकुंद बिस्सा की पुण्यतिथि पर उनको याद किया गया।

पुण्यतिथि पर जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने बताया कि श्री बालमुकुंद बिस्सा ने आजादी का प्रसून खिलाने में अपनी अमिट छाप छोडी है। मारवाड़ के स्वतन्त्रता संग्राम में उनका योगदान अभूतपूर्व रहा है। इनकी पुण्यतिथि पर संस्थान अथवा महिला पी.जी. महाविद्यालय के सभी सदस्यो ने पुष्पांजलि अर्पित की। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने बताया कि 24 दिसंबर 1908 को जन्मे बिस्सा 19 जून 1942 को शहीद हो गये। वे सच्चे गांधीवादी थे एवं खादी का प्रचार करते थे तथा महिलाओं को चर्खा चलाना भी सिखाते थे। उनकी कथनी तथा करनी में कोई अन्तर नही था। पुण्यतिथि पर संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी, संस्थान उपाध्यक्ष श्री सूरजप्रकाश व्यास, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस. पी. व्यास, प्रो. अचलेश्वर बोहरा, महाविद्यालय व्याख्याता डॉ. निशी माथुर, डॉ. अनिल पुरोहित, श्रीमती स्नेहलता व्यास, सुश्री जया राज, महिला टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के व्याख्याता श्री एल.पी. बिस्सा तथा समस्त स्टॉफ ने पुष्पाजंली अर्पित की।

महाविद्यालय में कृति-2018 का आयोजन

महाविद्यालय में कृति-2018 का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दूसरे दिन अंत्याक्षरी व नृत्य का आयोजन किया गया। अंत्याक्षरी में दस टीमों ने भाग लिया। इसमें टीम विजेता रही। इस टीम में नेहल, कोमल, कृतिका व इशिका शामिल थें। इसके साथ ही नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें लगभग 40 छात्राओं ने भाग लिया। इसमें मुख्य निर्णायक के रूप में डॉ. कांति कपूर तथा श्रीमती लतिका महनोत उपस्थित थें। नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ईशिका और कृतिका वैष्णव, द्वितीय स्थान पर नेहल कल्ला व तृतीय स्थान पर जागृति सोनी और कृतिका गौड़ रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के संस्थापक प्रो. ए.डी. बोहरा की जंयति मनाई गई। संस्थान के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने प्रो. ए.डी. बोहरा के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान के सदस्य व प्रो. ए.डी. बोहरा के परिवार के सदस्य भी उपस्थित थें।

राष्ट्रीय स्तर पर साफ्ट बॉल खेल में स्वर्ण पदक

श्री जयनारायण व्यास षिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय की बी.काम. प्रथम वर्ष की छात्रा सफरा नूर शेख ने राज्य गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया के 63वें नेशनल स्कूल गेम्स 2017-18 में राष्ट्रीय स्तर पर साफ्ट बॉल खेल में स्वर्ण पदक एवं प्रोत्साहन स्वरूप नकद राशि रू. 1000 का पारितोषिक मय सिल्वर मेडल प्रदान किया गया। इस उपलक्ष्य में छात्रा कों इस वर्ष 2018-19 गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने छात्रा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने विजेता छात्रा की सराहना करते हुए शारीरिक विकास हेतु खेलो की महत्ता पर बल दिया और आगे जाने के लिये प्रेरित किया।

महिला पी.जी. महाविद्यालय में एन्टरप्रिन्योर व स्टार्टअप पर विशिष्ट व्याख्यान

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान से सम्बधित महिला पी.जी. महाविद्यालय में बी.सी.ए, बीबीए, व एम.कॉम की छात्राओं के लिए एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान ड्रीम टीम टेक्नोलॉजी प्रा. लि. के निदेशक श्री सुशील शर्मा द्वारा दिया गया। श्री शर्मा ने छात्राओं को एन्टरप्रिन्योर व स्टार्टअप के फायदे व नुकसान व नियमों के बारे में बताया। श्री शर्मा ने बताया कि स्टार्टअप में म्मापज च्वसपबल को पहले तय करना आवश्यक हैं। उन्होने स्टार्ट अप की Important terms के बारे में बताया, जैसे कि Angel invester, Burn rates, Disrupt/disruptive, NDA, Valuation Venture capitalist , software as a sevice , series A,B,C,D rounds के के बारे में बताया। उन्होने बिजनेस, एन्टरप्रिन्योर व स्टार्टअप की तुलना करते हुए बताया कि कम रिस्क हो तो बिजनेस , कुछ रिस्क हो तो वह एन्टरप्रिन्योर व अधिक रिस्क हो तो वह स्टार्टअप होता हैं। उन्होने बताया कि एक व्यक्ति जो अपने लिये सभी सम्भावित जोखिम व ईनाम को मानते हुए एक व्यवसाय शुरू करता है वह एन्टरप्रिन्योर होता हैं। उन्होने ओला, स्वीगी, जोमेटो का उदाहरण देते हुए स्टार्ट अप की टर्म को समझाया व वर्तमान में किस क्षेत्र में स्टार्ट अप करने के अवसर व फायदे है उसके बारे में बताया।

व्याख्यान में महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय व ए.डी. बोहरा मेमोरीयल वूमन लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज व्यास उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि इस प्रकार के रोजगार उन्मुख व्याख्यान छात्राओं के लिए बहुमुखी विकास के लिए आवश्यक हैं। प्रो. एस.पी. व्यास ने भविष्य में भी इसी प्रकार के व्याख्यान का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मनोज व्यास ने धन्यवाद ज्ञापन किया। व्याख्यान में बी.सी.ए. विभाग की स्नेहलता व्यास व डॉ. रेखा पुरोहित उपस्थित थी।

योगः मन को शान्त रखने का एक अभ्यास हैं।

जय नारायण व्यास शिक्षण संस्थान के अन्तर्गत संचालित तीनों महाविद्यालयों महिला पी.जी. महाविद्यालय, महिला टीचर्स ट्रेनिंग एवं प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल लॉ कॉलेज द्वारा "अन्तराष्ट्रीय योग दिवस" मनाया गया। महाविद्यालय में प्रातः 9 बजे सभी छात्राओं, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा योगाभ्यास किया गया। डॉ. रितु सोनी ने योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया एवं कई प्रकार के योग के बारे में बताया एवं योगाभ्यास करवाया। उन्होने प्रारंभ में वॉर्मअप एक्सरसाइज करवाई तत्पश्चात सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राएँ करवाई। फिर धनुरासन, भुजंगासन, सर्वांगासन के साथ कपाल भाती, अनुलोग विलोम आदि का अभ्यास करवाया गया। इस कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. संजय बोहरा ने योग के बारे में जानकारी दी एवं योग से होने वाले फायदे बताये। कार्यक्रम में महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी.व्यास जी, संस्थान सचिव प्रो. के.एन. व्यास एवं प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने भी योगाभ्यास किया एवं योग के बारे में बताया। प्रो. के.एन. व्यास ने बताया कि योग सिर्फ योग दिवस के दिन ना होकर हर रोज योगाभ्यास होना चाहिए। प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि योग जीवन का वह दर्शन है जो मनुष्य को उसकी आत्मा से जोडता है एवं योग मन को शान्त रखने का एक अभ्यास हैं।

प्रो. व्यास की पुस्तक को किन्नर अधिकार ट्रस्ट सम्मान

इतिहासकार प्रो. एस.पी. व्यास को किन्नर वर्ग पर लेखन के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान हेतु, किन्नर अधिकार ट्रस्ट, केथल हरियाणा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। आपकी पुस्तक "भारतीय इतिहास में थर्ड जेण्डरः नाजिर (हिंजड़ा) वर्ग" पर यह पुरस्कार दिया जा रहा है। इस पुस्तक का विमोचन एम.एस. धंनजय मंगलमुखी, चण्डीगढ द्वारा किया गया था। प्रो. एस. पी. व्यास को किन्नर वर्ग पर शोाध हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा, "इमेरिटस फैलो"से सम्मानित किया जा चुका हैं। आप राजस्थान के प्रथम इतिहासकार रहे जिन्होनें किन्नर वर्ग/नाजिर वर्ग पर बीस वर्ष पूर्व अपना आलेख प्रस्तुत किया था। आपने अपने विभिन्न शोध पत्रों के माध्यम से ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में तृतीय प्रकृति/किन्नर समाज के योगदान को परिलक्षित किया हैं। साथ ही आप आई. सी.एच.आर. के सीनियर फैलो भी हैं। प्रो. व्यास को इस वर्ष राजस्थान इतिहास एवं संस्कृति के क्षेत्र में लेखन एवं शोध हेतु ह्यमारवाड रत्न पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया हैं। आप इतिहास विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत हुए हैं। आप के 50 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. व्यास को 24 जुलाई 2019 को विद्वत सम्मान समारोह में यह सम्मान प्रदान किया जायेगा। कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्रीमती पविता लेख, प्रसिद्व स्वतनत्रता सेनानी एवं बाल कल्याण, समाजसेविका होगी तथा अध्यक्षता जीन्द रियासत की महारानी इन्द्रजीत कौर सिद्धू होगी।

महिला पी.जी. महाविद्यालय की छात्रा छवि प्रताप ने पर्वतारोहण प्रशिक्षक कोर्स में ह्यएङ्क ग्रेड प्राप्त किया

महिला पी.जी. महाविद्यालय की छात्रा व 3 राज एन.सी.सी. कैडेट छवि प्रताप ने स्वामी विवेकानन्द माउन्टनेयरिंग इंस्टिट्यूट माउण्ट आबू में 85जी प्रशिक्षक कोचिंग कोर्स में भाग लेकर 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।

इस अवसर में एन.सी.सी. प्रभारी सुश्री जया राज ने बताया कि छात्रा ने 1दिसम्बर से 30 दिसम्बर तक चलने वाले इस कोर्स में सीनियर प्रशिक्षक मनीष परमार के निर्देशन में छात्रा ने पर्वतारोहण प्रशिक्षक के विभिन्न चरणों में 30 फीट की दिवार पर चढना, रेस्क्यू ऑपरेशन की तकनीक व पर्वतारोहण के दौरान बचाव व सावधानी जैसी बहुत सी तकनीक का कौशल प्राप्त किया। इस दौरान छात्रा ने 10 पर्वतारोहियों को ठेंपब प्रशिक्षण भी दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए भविष्य में भी पर्वतारोहण में नये कौशल प्राप्त कर, नयी ऊचाइयॉ छूने की प्रेरणा दी।

महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने छात्रा को बधाई देते हुए, छात्रा को पर्वतारोहण कौशल के लिए महाविद्यालय की तरफ से सम्पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने छात्रा को पदम श्री से सम्मानित अरूणिमा सिन्हा की भांति निडर व साहसी पर्वतारोही बनने की प्रेरणा दी व महाविद्यालय की सभी छात्राओं को खुद को मजबूत बनाते हुए देश का नाम विश्व में ऊँचा करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर एन.सी.सी. कमांडिग ऑफिसर डी.एस. परमार व मेजर निष्ठा शर्मा ने कैडेट छवि प्रताप के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए साहसिक कार्य करते रहने को प्रेरित किया।

कृषि के क्षेत्र में आर्टीफिशयल इन्टेलीजेन्स उपयोगीः प्रो. वाजपेयी

जयनारायण व्यासशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी. जी. महाविद्यालय, में महिला पी.जी. महाविद्यालय, पुष्करणा शोध प्रकाशन एवं इंटरनेशनल सेंटर फॉर रेडियो साइंस के संयुक्त तत्वाधान में 'अवेयरनेस ऑफ आरटिफिशियल इन्टेलीजेन्स' पर दो दिवसीय कार्यशाला का प्रो. जयश्री वाजपेयी द्वारा समापन कियागया।

कार्यक्रम के समापनमें मुख्य अतिथि के रूप में एम.बी.एम. इंजी. कॉलेज की प्रो. जयश्री वाजपेयी उपस्थित रही। उन्होनें छात्राओं को ऐलेक्जा के बारे में बताया व आर्टीफिशयल इन्टेलीजेन्स का सभी क्षेत्रों में उपयोग को समझाया। छात्राओं ने विभिन्न विषयों में आर्टीफिशयल इन्टेलीजेन्स का उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है सम्बन्धित जानकारी प्रो. जयश्रीवाजपेयी से ली।

इससे पूर्व कार्यक्रम के तृतीय तकनीकि सत्र में चरण में लाचू मेमोरियल कॉलेज के प्राध्यापक प्रो. प्रियदर्षी पाटनी ने छात्राओं को आर्टीफिशयल इन्टेलीजेन्स का गूगल ऐलेक्जा व फेसबुक में उपयोग बताया। चतुर्थ तकनीकि में सरदारपटेल पुलिस यूनिवर्सिटी के प्रो. विकास सिहाग ने गेम्स एवं एग्रीकल्चर में आर्टीफिशयल इन्टेलीजेन्स के उपयोगको समझाया।

कार्यक्रम के समापन में छात्राओं द्वाराप्रष्नोत्तरी भरी गयी व प्रो. जयश्रीवाजपेयी ने सभी छात्राओ को प्रमाण पत्र वितरित किये। कार्यक्रम के समापन में विषिष्ट अतिथि के.बी. व्यास, संस्थान सचिव प्रो. के.एन. व्यास, महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय, प्रो. नटवरलाल कल्ला, विज्ञान संकाय के निदेषक प्रो. ए.बोहरा उपस्थित रहे। डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि इस तरह की कार्यषाला छात्राओं के लिए उपयोगी है व आष्वासन दिलाया कि भविष्य में इसी प्रकार की कार्यषाला का आयोजन करवाया जायेगा। प्रो. एस.पी. व्यास ने छात्राओं को आर्षीवचन देते हुए छात्राओं को इस प्रकार की कार्यषाला में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यषाला में सुमेर महिला महाविद्यालय की छात्राओ ने भी भागलिया।कार्यशाला में बी.सी.ए. विभाग की प्राध्यापक स्नेहलता व्यास, डॉ. रेखापुरोहित, जयाराज शर्मा उपस्थित रहें।

अन्तराष्ट्रीय महिला और स्वच्छता दिवस

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान के महिला पी.जी. महाविद्यालय में जे.सी.आई. जोधपुर सनसिटी संस्थान द्वारा अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेनेटरी नेपकिन के प्रयोग की जागरूकता हेतु मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के अध्यक्ष प्रो.पी. एम. जोशी ने हरी झंडी दिखाकर की। इस कार्यक्रम में विधायक मनीषा पंवार संस्थान के सदस्य तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। इस सामाजिक प्रयास में महाविद्यालय की लगभग 300 छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में जे.सी.आई. के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र प्रजापत, मुख्य अतिथि श्रीमती सुनिता जालानी, मुख्य वक्ता डॉ. रेणु मकवाना, समन्वयक प्रियंका शर्मा तथा संचालक मेघना शर्माउपस्थित थी।

डॉ. चेतना अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए जागरूकता और शिक्षा दोनों ही जरूरी हैं। मुख्य वक्ता डॉ. रेणु मकवाना ने मासिक स्त्राव के लिए चिकित्सकीय परामर्श को अनिवार्य बताया, साथ ही मानव शरीर में हीमोग्लोबिन के महत्व को बताया। कार्यक्रम के अंत में जे.सी. आई. की सचिव जूही वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मंजु सिंघवी ने किया।

महिला पी.जी महाविद्यालय में आयकर जागरूकता पर व्याख्यान आयोजित

जोधपुरः जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनो इकाईयों, प्रो. ए.डी. बोहरा मेमोरियल लॉ कॉलेज तथा महिला टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की छात्राओं के लिए आयकर जागरूकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान श्री रविन्द्र मितल, संयुक्त आयकर आयुक्त, आयकर विभाग, जोधपुर ने दिया। उन्होने छात्राओं को भारत सरकार के आयकर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया तथा आयकर के द्वारा सरकार अपनी विभिन्न विकास योजनाओं को पूरा करने में सक्षम हो पाती है और आज भी भारत में आयकर देने वाले लोगो की संख्या बहुत कम है जिससे देश को राजस्व का नुकसान होता है इसके बारे में बताया। उन्होने आयकर विभाग द्वारा संचालित नागरिक सहायता से संबन्धित महत्वपूर्ण जानकारियॉ प्रदान की तथा प्राध्यापकों एवं छात्राओं के द्वारा पूछे गये आयकर से संबन्धित विभिन्न प्रश्नों का जवाब भी दिया। कार्यक्रम को आयकर अधिकारी श्री विष्णुदत पुरोहित ने भी संबोधित किया तथा आयकर रिटर्न भरने, कर में छूट से संबधित प्रावधानों के बारे में बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में आयकर से संबन्धित महत्वपूर्ण जानकारियॉ छात्राओं को बतायी तथा जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया ताकि अधिक से अधिक लोग अपना आयकर जमा करायें तथा देश के विकास में सहयोग करें। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा महाविद्यालय में इस प्रकार के जागरूकता संबन्धित कार्यक्रमों को आयोजित करने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम के दौरान श्री अशोक जोशी, विज्ञान संकाय के निदेशक प्रो. अचलेश्वर बोहरा, लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज व्यास तथा तीनो महाविद्यालयों के प्राध्यापक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ. नीतू वालेचा ने किया।

महिला पी.जी. महाविद्यालय रेड रिबन क्लब राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित

महिला पी.जी. महाविद्यालय के रेडरिबन क्लब को राज्य पुरस्कार से NACO द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने बताया कि रेडरिबन क्लब ने लगातार दूसरी बार राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया हैं।

संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी तथा संस्थान के समस्त पदाधिकारी ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ देते हुए इस उपलब्धि हेतु बधाई प्रेषित की महाविद्यालय सचिव प्रो. एस. पी व्यास ने कहा कि प्रतिवर्ष प्रो. आर.पी. व्यास स्मृति में रेडरिबन क्लब द्वारा रक्तदान शिविर लगाया जाता हैं। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राएँ रक्तदान कर रेडरिबन क्लब की इस उपलब्धि की भागीदार बनती हैं। रेडरिबन क्लब द्वारा समय समय पर रक्तदान एवं एड्स जागरूकता हेतु महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगित, केंडल मार्च, रैली, रक्तदान शिविर का आयोजन करते हुए समाज में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता हैं। रेडरिबन क्लब प्रभारी डॉ. सुनिता बोहरा, डॉ. सीमा हटीला एवं श्रीमती स्नेहलता व्यास ने बताया कि जयपुर स्थित कपूरचन्द्र कुलिश स्मृति ओपन थियेटर में NACO द्वारा को रक्तदान एवं एड्स जागरूकता हेतु इस वर्ष भी महाविद्यालय को पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। पुरस्कार डॉ. वी.के माथुर डायरेक्टर पब्लिक हेल्थ डिर्पाटमेन्ट, डॉ. संवित शर्मा मिनिस्ट्री डायरेक्टर स्पेशल ब्रान्च हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर डिर्पाटमेन्ट डॉ. आर.पी. दोरिया प्रोजेक्ट डायरेक्टर RSACS. प्रदीप चैधरी जॉइन्ट डायरेक्टर RSACS गरिमा भाटी असिसटेन्ट डायरेक्टर RSACS द्वारा प्रदान किया गया।

मेरा उद्देश्य ताली बजाना नहीं, बल्कि ताली बजवाना है: Mx धनन्जय चैहान

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में दिनांक 04.02.2019 को इतिहास विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था–'Sensitizing Society Towards Transgender Identity and Acceptance' इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर श्री घनश्याम ओझा और डगण्धनन्जय चैहान उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरम्भ मंगलाचरण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने दिया। डॉ. उपाध्याय ने तृतीय प्रकृति की सामाजिक विड़म्बना की ओर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए तृतीय प्रकृति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महाभारत काल के ग्रन्थों में भी इनका उल्लेख मिलता है। मुगलकाल में इनके द्वारा प्रशासनिक भूमिका अदा की गई। इसके अलावा नाजिर जी की बावड़ियों का निर्माण भी इसी वर्ग के द्वारा करवाया गया। साथ ही उन्होंने इस वर्ग से जुड़ी परम्परागत मान्यताओं पर भी प्रकाश ड़ाला। इन नाजिरों द्वारा अनेक मंदिरो का निर्माण करवाया गया। व्यक्ति के जीवन के सभी संस्कारों में इनकी उपस्थिति अनिवार्य होती थी लेकिन ब्रिटिशकाल में इनकी स्थिति में गिरावट आयी।

मुख्य अतिथि श्री घनश्याम ओझा ने तृतीय प्रकृति को ईश्वर की देन बताया। उन्होंने बताया कि समाज में इनकी संख्या तो अधिक है लेकिन बहुत से लोग हीन भावना के कारण सामने नहीं आ पाते। हिन्दु संस्कृति में इनको शुभ माना जाता है। हाल ही में कुंभ में इन्हें चैदहवें अखाड़े के रूप में समानता का दर्जा प्रदान किया गया। साथ ही इस समूह के लिए विशेष स्नान का प्रबंध करवाया। अब जरूरत है इन्हें नागरिक के रूप में स्थान देने की।

Mx.धनन्जय चैहान ने बताया कि एक ट्रांसजेंडर के रूप में व्यक्ति की सर्वप्रथम लड़ाई अपने आप से तत्पश्चात समाज से होती है। जब सूर्य, चन्द्रमा तथा परमात्मा यदि हमें नहीं पूछते कि हम कितने है तो यह समाज प्रश्न क्यों उठाता है, शायद यह वोट बैंक की राजनीति है। एक ट्रांसजेंडर का शारीरिक एवं मानसिक ढॉचा असंतुलित होता है। वह सभी का त्यागकर, 'स्व' की तलाश करता है। विकृति भी प्रकृति की देन है। L.G.B.T. नहीं होता तो दुनिया रंगीन नहीं होती। दुनिया की पहली फैशन डिजाइनर एक ट्रांसजेंडर थी। जिसने दुनिया को रंगीन किया लेकिन इस दुनिया ने हमारे जीवन को बेरंग कर दिया। मेरा उद्देश्य ताली बजाना नहीं, बल्कि ताली बजवाना है।

कार्यक्रम की समूह चर्चा में Mx.धनन्जय चैहान ,प्रो. विकास कपूर, प्रो. रवि गुन्ठे, डॉ. मिथिलेश नारायण भट्ट, मनीष मेहता, डॉ. कृति भारती, प्रो. के.एन. व्यास तथा डॉ.रविन्द्र गहलोत उपस्थित थे। तृतीय प्रकृति पर समाजशास्त्री, मनोवैज्ञानिक, विधि सलाहकार तथा समाजसेवकों ने विभिन्न आयामों से चर्चा की। साथ ही सभी प्रतिभागियों ने मुक्त परिचर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्त में यह निष्कर्ष निकला कि संविधान में तो इन्हें स्थान मिल चुका हैं लेकिन सामाजिक स्वीकृति अब भी बाकी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका व्यास ने किया।

कार्यशाला का आयोजन

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में आज दिनांक 18.05.2019 को महाविद्यालय के कार्यालयी कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायकों एवं पुस्तकालयक्ष के लिये प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक एक कार्यशाला का आयोजन रखा गया। कार्यशाला के प्रारम्भ के प्रशिक्षण अधिकारी ज्योति भाटी एवं श्री गोपाल कृष्ण का महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रगान से किया गया। वरधाविनी कन्सलटेनसी परिवार (Milestone Institute) की मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी ज्योति भाटी द्वारा कर्मचारियो के कार्यालय में आपसी बातचीत (एटिकेट्स)/ व्यक्तिगत व्यवहार इत्यादि के बारे में विस्तार पूवर्क प्रोजेक्टर के माध्यम से व्याख्यान दिया गया। उक्त संस्था के सदस्य श्री गोपालकृष्ण द्वारा कर्मचारियों की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों को Office etiquettes, email etiquettes, library etiquettes, laboratory etiquettes के बारे में बताया गया। उन्होने बताया कि ऐटिकेट्स पॉच तरह के होते है–General, Social, Business, Professional, DinningA । कार्यशाला में प्रश्नोतरी रखी गयी जिसमे कर्मचारियों से प्रश्न पूछे गये। कार्यशाला के अन्त में थ्ममकइंबा वितउभी भरवाया गया। कार्यशाला की समाप्ति पर महाविद्यालय के लेखाकार श्री कॅवरीलाल बंदवाल द्वारा वरधाविनी परिवार के प्रशिक्षण अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की बी.एससी मेरिट में तृतीय स्थान

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय की बी.एस. सी. की छात्रा ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की मेरिट में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान के उपाध्यक्ष श्री सूरजप्रकाश जी व्यास ने छात्रा को बधाई दी तथा उज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने बताया कि महाविद्यालय की छात्राएँ प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय की वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करती हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जसमीता पँवार के परिवार को बधाई देते हुए महाविद्यालय के प्राध्यापको की भी प्रंशसा की। भविष्य में किसी भी मार्गदर्शन और सहयोग के लिये महाविद्यालय तत्पर हैं। जसमीता इसी महाविद्यालय से M.Sc रसायन विज्ञान की छात्रा हैं।

बजट परिचर्चा 2019-20

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय परिसर में वाणिज्य संकाय द्वारा बी.कॉम फाइनल वर्ष, बी.कॉम (आनर्स), बी.बी.ए. फाईनल वर्ष की छात्राओं के लिए वित मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गए वितीय बजट 2019-20 के ऊपर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

इस परिचर्चा के अवसर पर अर्थशास्त्र एवं टैक्स, जी.एस.टी. आदि के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। बजट परिचर्चा में कर विशेषज्ञ सी.ए. बी.एम. बियाणी ने महाविद्यालय की छात्राओं को बजट में प्रस्तावित कर प्रावधानों की पिछले बजट से तुलनात्मक अध्ययन करके बताया तथा सरकार द्वारा कौन से नए प्रावधान बजट में लाये गये है उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसी तरह अर्थशास्त्र के विशेषज्ञ के रूप मे ंजे.एन.वी.यू से डॉ. के.ए. गोयल तथा डॉ. क्षितिज महर्षि ने कार्यक्रम में पधारकर महाविद्यालय की छात्राओं को बजट से भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में पडने वाले प्रभावों के बारे में बताया तथा साथ ही उन्होनें कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्था है इसलिए यहॉ घाटे का बजट बनाने की व्यवस्था है। इस बजट परिचर्चा के अवसर पर वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय के सभी प्राध्यापक डॉ. रितुसोनी, डॉ. संतोष बोहरा, डॉ. आकांक्षा सिघंल, डॉ. संजय बोहरा, डॉ प्रज्ञापी. हर्ष, रश्मि व्यास, डॉ. नीतू सिंह, उषा परिहार, टीना व्यास, हेम प्रभा पुरोहित मौजूद रहें।

कार्यक्रम के अंत में महिला पी.जी. महाविद्यालय के सचिवप्रो. एस.पी. व्यास ने पधारे हुए सभी विषय के विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेमसिंह एवं अभिषेक चैहान ने किया।

महिला पी.जी. महाविद्यालय में नए सत्र का आगाज

श्री जयनारायण व्यास षिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय में नए सत्र का आगाज 1 जुलाई, 2019 को किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत से हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने छात्राओं व अभिभावकों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की गतिविधियों तथा उपलब्धियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं ने हर क्षेत्र में अपना परचम लहराया हैं। इस वर्ष भी एन.सी.सी. व एन.एस.एस. की छात्राओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय में संचालित टाटा इंस्टीट्यूट एंडसोशल सांइस की तरफ से मिलने वाले प्लेसमेंट के बारे में भी छात्राओं को जानकारी दी। जिससे अधिक अधिक छात्राओं को नौकरी मिल सकती हैं। महाविद्यालय में संचालित होने वाली प्रतियोगी परीक्षा की कक्षाओं के बारे में भी छात्राओं को अवगत कराया गया।

संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी. एम. जोशी ने बताया कि शिक्षा का अर्थ है विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना। यह संस्थान शिक्षक-शिक्षार्थी के सहयोग से यह कार्य पूर्ण करता हैं। महाविद्यालय को राज्य सरकार द्वारा ह्यमॉडल कॉलेजह्व घोषित किया गया हैं। यह हमारे लिये बहुत गर्व की बात हैं। संस्थान सचिव प्रो. के. एन. व्यास ने विद्यार्थी शब्द की महिमा बताते हुये छात्राओं को अनुशासन के साथ शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया तथा छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएॅ दी। कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी, उपाध्यक्ष श्री सूरजप्रकाश व्यास, सचिव प्रो. के.एन. व्यास तथा महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास, प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय, श्रीनारायण दतपुरोहित, श्री जी.पी. व्यास तथा प्रबंधन के समस्त सदस्य व व्याख्याता उपस्थित थें।

महाविद्यालय में सी.ए. दिवस के उपलक्ष्य में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें सी.ए. आकाश फोफलिया व सी.ए. नवीन जैसलमेरिया ने 'Financial Literacy among girls &GST' के बारे में छात्राओं को अवगत कराया।

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस और स्वच्छता

जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान के महिला पी.जी. महाविद्यालय में जे.सी.आई. जोधपुर सनसिटी संस्थान द्वारा अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेनेटरी नेपकिन के प्रयोग की जागरूकता हेतु मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के अध्यक्ष प्रो.पी. एम. जोशी ने हरी झंडी दिखाकर की। इस कार्यक्रम में विधायक मनीषा पंवार संस्थान के सदस्य तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। इस सामाजिक प्रयास में महाविद्यालय की लगभग 300 छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में जे.सी.आई. के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र प्रजापत, मुख्य अतिथि श्रीमती सुनिता जालानी, मुख्य वक्ता डॉ. रेणु मकवाना, समन्वयक प्रियंका शर्मा तथा संचालक मेघना शर्मा उपस्थित थी।

डॉ. चेतना अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए जागरूकता और शिक्षा दोनों ही जरूरी हैं। मुख्य वक्ता डॉ. रेणु मकवाना ने मासिक स्त्राव के लिए चिकित्सकीय परामर्श को अनिवार्य बताया, साथ ही मानव शरीर में हीमोग्लोबिन के महत्व को बताया। कार्यक्रम के अंत में जे.सी.आई. की सचिव जूही वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मंजु सिंघवी ने किया।

संपादन समितिः मुख्य संपादकः डॉ. मनोरमा उपाध्याय
सह संपादकः डॉ. भरत भट्ट, डॉ. अविनाश बोहरा (बायोटेक)

म्हिला पी.जी. महाविद्यालय की एन.सी.सी. की छात्रा ने सिक्किम की ऊॅची चोटी पर परचम लहराया।

म्हिला पी.जी. महाविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट छवि प्रताप पुत्री भानुप्रताप सिंह ढाका (डिप्टी डायरेक्टर राजस्थान टूरिज्म) ने ऑल इण्डिया एन.सी.सी. गर्ल्स माउन्टनेरी एक्पीडिशन 2019 में 3 राज एन.सी.सी. गर्ल्स बटालियन की ओर से भाग लिया और एन.सी.सी. 3 राज गर्ल्स बटालियन की तरफ से एकमात्र प्रतिभागी के रूप में भाग लेते हुए 13 मई से 16 मई तक दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

महाविद्यालय की एन.सी.सी. इंचार्ज सुश्री जयाराज ने बताया 17 मई को लि. जनरल संजय गुप्ता ने ऑल इण्डिया एन.सी.सी. गर्ल्स एक सपीडिन को माउंट थिंगचिंग के लिए थ्संह र्वि दिया इसके बाद पहली बार एन.सी.सी. कैडेट ने पश्चिमि सिक्किम में माउण्ट थिंगचिंग के लिए प्रयास किया। खराब मौसम व विपरित परिस्थितियों का सामना करते हुए पर्वतारोहण में ए श्रेणी की 6010 मी की ऊचाई पर लिकर्न लमदहाब बोरो और ली. कर्नल के निर्देशन में 19 गर्ल्स कैडेट के ग्रुप के साथ कैडेट छवि प्रताप ने 12 जून को थिंगचिंग पर्वत पर परचम लहराया। 15 जून को पूरा दल सुरक्षित कैम्प में पहुॅचा और 20 जून को माननीय गर्वनर सिक्किम श्रीगंगाप्रसादजी ने पूरे ग्रुप का राज भवनमें सम्मान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. पी.एम. जोशी ने कैडेट को हार्दिक बधाई देते हुए बताया कि जोधपुर 3 राज गर्ल्स बटालियन से एकमात्र चयनित कैडेट छवि प्रताप ने इस पर्वतारोहण द्वारा महाविद्यालय व पूरे जोधपुर को गौरवान्वित किया हैं।

महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी व्यास ने कैडेट को प्रोत्साहित किया व भविष्य में भी महाविद्यालय की तरफ से ऐसी गतिविधियों के लिए छात्राओं को सहयोग करने व प्रेरित करने का आश्वासन दिया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने कैडेट छवि प्रताप को पर्वतारोहण के क्षेत्र में नयी ऊचाइयॉ छूने को प्रेरित किया व कैडेट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौकेपर 3 राज गर्ल्स बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल डी.एस. परमार व ।क्ड ऑफिसर निष्ठा शर्मा ने कैडेट का उत्साहवर्धन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आगे भी ऐसे पर्वतारोहण गतिविधियॉ करने के लिए प्रेरित किया।

एच.आई.वी./एड्स जागरूकता प्रशिक्षण एवं RRC टॉक का आयोजन

म्हिला पी.जी. महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में राजस्था पस्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी जयपुर द्वारा एच.आई.वी./ एड्स जागरूकता प्रशिक्षण एवं RRC टॉक का आयोजन किया गया।

ठस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने नवागन्तुक छात्राओं को रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकरी देते हुए रक्तदान व एड्स व्याधि की जानकारी दी। महाविद्यालय सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने इस अवसर पर महाविद्यालय को एनिमिया मुक्त महाविद्यालय बनाने की मुहिर की जानकारी दी। RRC टॉक व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुश्री गरीमा भाटी, सहायक निदेशक यूथ अफेयर्स एवं श्री नाहिद मोहम्मद क्षेत्रीय समन्वयक राजस्थान स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी जयपुर एवं डॉ. कुणाल सिंह टी एस यू ने एच.आई.वी. एवं एड्स से जुडी विभिन्न भ्रान्तियों की जानकारी देते हुए स्ंवय सेविकाओं से अपने अनुभव साझा करते हुए छात्राओं से उनके अनुभव प्राप्त किये एवं विभिन्न गतिविधियों द्वारा एच.आई.वी./ एड्स रोक थाम के उपाय बताए। इस अवसर पर रेडरिबन प्रभारी डॉ. सुनिता बोहरा, डॉ. सीमा हटीला, श्रीमती स्नेहलता व्यास, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. भरत भट्ट एवं डॉ. आकाशा सिंधल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनिता बोहरा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया डॉ. सीमा हटीला ने किया।

राजस्थान हिस्ट्रीं कांग्रेस अधिवेशन

श्री जयनारायण व्यास शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित महिला पी.जी. महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा दिनांक 05.02.2019 को तीन दिवसीय राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस के 33वें अधिवेशन का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. गुलाब सिंह चैहान (कुलपति जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय), कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. शशि देवड़ा तथा प्रो. विनीता परिहार उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरम्भ मंगलाचरण व दीपप्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने दिया। डॉ. उपाध्याय ने बताया कि इस वर्ष हिस्ट्री कांग्रेस के अधिवेशन का आयोजन महाविद्यालय में हो रहा हैं तथा प्रोसिडिंग भी छप रही है, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है । महाविद्यालय के सचिव प्रो. एस.पी. व्यास ने विषय प्रवर्तन करते हुए राजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस की स्थापना तथा इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्यराजस्थान हिस्ट्री कांग्रेस की स्थापना सन 1967 में जोधपुर में हुई तथा तबसे प्रतिवर्ष इसके अधिवेशन भी आयोजित होते रहे हैं। आज यह 33वें सोपान पर है। इसका उद्देश्य राजस्थान के इतिहास व संस्कृति पर शोध कार्य करने के लिए देश-विदेश के विद्यार्थियों को प्रेरित करना है।

मुख्य अतिथि प्रो. गुलाब सिंह चैहान ने बताया कि ह्यराजस्थान हिस्ट्री कांग्रेसह्व राजस्थान के इतिहास व संस्कृति को लेकर तत्पर रहती है व इसका अध्ययन करती है। राजस्थान के इतिहास व संस्कृति को जीवित रखने के लिए यह प्रयास बहुत सराहनीय हैं।

संस्थान अध्यक्ष प्रो. पी.एम.जोशी ने अधिवेशन के आयोजन के लिए कार्यकारिणी को धन्यवाद देते हुए कहा कि राजस्थान का इतिहास गाथाओं का इतिहास हैं। हमें स्थानीय इतिहास की जानकारी रखनी चाहिए तथा राजस्थान के इतिहास के बारे में अधिक से अधिक शोध कार्य करना चाहिए।

प्रो. शशि देवड़ा ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए हिस्ट्री कांग्रेस के अधिवेशन आयोजन को अत्यन्त हर्ष व गौरव का विषय बताया तथा स्त्रियों की दशा स्थिति पर चर्चा की। उन्होनें राजस्थान के इतिहास में राजनीतिक व आर्थिक इतिहास के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इतिहास को जानने के स्त्रोत अभिलेखागार में सुरक्षित हैं। इस अवसर पर प्रो. जिब्राइल और डॉ. सुमेष्ठा की पुस्तक का विमोचन किया गया।